A–1046

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

VAC-01

वैदिक अध्ययन

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेदों के काल निर्धारण सम्बन्धी विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए।
2. वेदाङ्ग का परिचय देते हुए उसके वर्ण्य विषय की व्याख्या कीजिए।

3. ब्राह्मण ग्रंथों की भाषा एवं शैली पर प्रकाश डालिए।

4. उपनिषदों के प्रतिपाद्य विषय की विवेचना कीजिए।

5. पुरुष सूक्त में वर्णित सृष्टि प्रक्रिया पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेद का परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

   शिक्षा, कल्प, व्याकरण।

3. आरण्यक का सामान्य परिचय देते हुए उसके वर्ण्य विषय की व्याख्या कीजिए।

4. उपनिषदों में ब्रह्म एवं जगत् के वर्णन का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. निम्नलिखित उपनिषदों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   ईशावास्योपनिषद्, केनोपनिषद्, कठोपनिषद्।

6. नासदीय सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

7. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए :

यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदुसुप्तस्य तथैवैति।

दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु॥

येन कर्माण्यपसो मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।

यदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानां तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु॥

8. निरुक्त के महत्त्व पर टिप्पणी लिखिए।

****